RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
नवम्बर
25
2024
3

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

By Ankit Avasthi Sir

रियो में G20 शिखर सम्मेलन: न्यायपूर्ण और सतत् विश्व की प्रतिबद्धता / G20 Summit in Rio: Commitment to a Just and Sustainable World

हाल ही में ब्राज़ील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित **19वें G20 शिखर सम्मेलन** में "एक न्यायपूर्ण विश्व और सतत् ग्रह का निर्माण" विषय पर चर्चा हुई। सम्मेलन में वैश्विक स्थिरता और समावेशन को बढ़ावा देने पर सहमति व्यक्त की गई।

सम्मेलन के मुख्य बिंदु:

1. **सतत विकास और ऊर्जा परिवर्तन:**
   - भारत के प्रधानमंत्री ने सतत विकास और ऊर्जा संक्रमण पर अपने विचार साझा किए।
   - अगले G20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी 2025 में दक्षिण अफ्रीका और 2026 में संयुक्त राज्य अमेरिका करेगा।
2. **घोषणापत्र के मुख्य परिणाम:**
   - **अधिक अमीरों पर कर**::
     - प्रगतिशील और प्रभावी कर लगाने की सिफारिश की गई।
     - अंतरराष्ट्रीय कर सिद्धांतों पर सहयोग को बढ़ावा दिया गया।
   - **बहुपक्षवाद**:
     - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया-प्रशांत क्षेत्रों के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने पर जोर।
     - भूख और गरीबी के खिलाफ एक वैश्विक गठबंधन का आरंभ।
       - लक्ष्य: 2030 तक 500 मिलियन लोगों को नकद सहायता और 150 मिलियन बच्चों को स्कूल भोजन।
3. **सामाजिक समावेशन और डिजिटल विभाजन:**
   - पुरुषों और महिलाओं के लिए समान भागीदारी को बढ़ावा।
   - 2030 तक लैंगिक डिजिटल विभाजन को आधा करने की प्रतिबद्धता।
   - भारत, ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका ने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI) पर संयुक्त घोषणापत्र जारी किया।
4. **जलवायु कार्यवाही:**
   - कम उत्सर्जन वाली ऊर्जा के लिए समावेशी दृष्टिकोण अपनाने पर जोर।
   - भूमि क्षरण को 2040 तक 50% तक कम करने का लक्ष्य।
   - वैश्विक जलवायु परिवर्तन गतिशीलता कार्य बल का स्वागत।
5. **वैश्विक व्यापार:**
   - WTO नियमों और बहुपक्षीय पर्यावरण समझौतों के तहत हरित आर्थिक नीतियों को भेदभाव रहित बनाने पर सहमति।
6. **वैश्विक स्वास्थ्य:**
   - टीकों और स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों तक न्यायसंगत पहुंच बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय उत्पादन गठबंधन का स्वागत।

जी20: परिचय-:

जी20 (Group of Twenty) एक अंतरराष्ट्रीय मंच है, जिसमें 19 देशों और यूरोपीय संघ (EU) के सरकार प्रमुख और केंद्रीय बैंक के गवर्नर शामिल हैं। इसे एशियाई वित्तीय संकट (1997-1998) के बाद स्थापित किया गया था ताकि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच वैश्विक आर्थिक समन्वय को मजबूत किया जा सके। प्रारंभ में यह मंच वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के लिए था, लेकिन 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान इसे नेताओं के शिखर सम्मेलन का स्तर दिया गया। तब से, यह अंतरराष्ट्रीय आर्थिक नीतियों को आकार देने और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है

संरचना और कार्यप्रणाली:

1. **बैठकें और ट्रैक**:
   - जी20 प्रत्येक वर्ष नेताओं के शिखर सम्मेलन और वित्त मंत्रियों व केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठकें आयोजित करता है।
   - यह दो मुख्य ट्रैक के माध्यम से कार्य करता है:
     - वित्त ट्रैक: इसमें वित्तीय स्थिरता, वित्तीय और मौद्रिक नीतियों तथा मैक्रोइकोनॉमिक समन्वय पर चर्चा की जाती है।
     - शेरपा ट्रैक: इसमें व्यापार, विकास, ऊर्जा, स्वास्थ्य जैसे व्यापक सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर ध्यान दिया जाता है। इसे शेरपा (प्रमुख देशों के प्रतिनिधि) नेतृत्व करते हैं।
2. **ट्रोइका प्रणाली**:
   - जी20 ट्रोइका प्रणाली के तहत कार्य करता है, जिसमें पिछले, वर्तमान और आगामी अध्यक्षता शामिल होती है। यह मंच की निरंतरता सुनिश्चित करता है।
3. **कोई औपचारिक चार्टर या सचिवालय नहीं**:
   - जी20 का कोई स्थायी सचिवालय या चार्टर नहीं है। यह सदस्य देशों के आपसी सहयोग पर आधारित है।
4. **गैर-बाध्यकारी निर्णय**:
   - जी20 के निर्णय गैर-बाध्यकारी होते हैं, अर्थात सदस्य देशों पर इन्हें लागू करने की कानूनी बाध्यता नहीं होती।
5. अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग:
   - जी20, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF), विश्व बैंक और विश्व व्यापार संगठन (WTO) जैसे संगठनों के साथ मिलकर वैश्विक आर्थिक प्रबंधन को मजबूत करता है।

जी20 का महत्व

- **आर्थिक स्थिरता**: वित्तीय संकटों का सामना करने और वैश्विक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- **नीति संवाद**: व्यापार, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक स्वास्थ्य और सतत विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा को प्रोत्साहित करता है।
- **समावेशिता**: विकसित और विकासशील दोनों देशों का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के समाधान के लिए संतुलित दृष्टिकोण मिलता है।

सीजेआई संजीव खन्ना ने 'समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष' शब्दों पर सुनवाई की / CJI Sanjiv Khanna hears plea on words 'socialist, secular'

भारत के मुख्य न्यायाधीश, संजय खन्ना, ने उन याचिकाओं पर सुनवाई की जो 1976 के 42वें संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से भारतीय संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्ष" शब्दों को चुनौती दे रही थीं।

मुख्य बिंदु:

1. **समाजवाद का अर्थ**: मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि भारत में "समाजवाद" का अर्थ एक कल्याणकारी राज्य से है, जो सभी को समान अवसर सुनिश्चित करता है, और यह निजी क्षेत्र की भागीदारी को नकारता नहीं है।
2. **प्रस्तावना संशोधन**: उन्होंने यह दावा खारिज किया कि 1949 में संविधान सभा द्वारा अपनाई गई प्रस्तावना को संशोधित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि प्रस्तावना संविधान का हिस्सा है और इसे अनुच्छेद 368 के तहत बदला जा सकता है।
3. **मूल संरचना का हिस्सा**: मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि "समाजवाद" और "धर्मनिरपेक्षता" संविधान की मूल संरचना का अभिन्न हिस्सा हैं और इन्हें बदला नहीं जा सकता।
4. **लोकतांत्रिक मूल्यों का समर्थन**: उन्होंने यह भी खारिज किया कि ये शब्द अलोकतांत्रिक हैं। उनका उद्देश्य एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना है।

समाजवाद क्या है?

समाजवाद एक आर्थिक और राजनीतिक विचारधारा है, जो निम्नलिखित पर आधारित है:

- **सामूहिक स्वामित्व**: संसाधनों और उत्पादन के साधनों का सार्वजनिक या सामूहिक स्वामित्व बढ़ावा देता है।
- **संसाधनों का समान वितरण**: धन और अवसरों में असमानता को कम करने के लिए संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित करता है।
- **राज्य का हस्तक्षेप**: **सामाजिक और आर्थिक समानता** हासिल करने के लिए रा

समाजवाद के प्रकार-

1. **क्रांतिकारी (मार्क्सवादी) समाजवाद:**
   - समाजवाद को केवल निजी संपत्ति समाप्त कर और सर्वहारा वर्ग की तानाशाही स्थापित कर हिंसक क्रांति के माध्यम से लाया जा सकता है।
2. **प्रगतिशील समाजवाद:**
   - समाजवादी ताकतें राज्य के अंगों को समाजवादी नीतियों को बनाने और लागू करने में सहयोग करती हैं।

भारत के प्रमुख समाजवादी नेता:

- आचार्य नरेंद्र देव, जयप्रकाश नारायण और डॉ. राम मनोहर लोहिया।
- आचार्य नरेंद्र देव के किसान सभा को संबोधित करने से प्रेरित होकर कर्पूरी ठाकुर ने स्वतंत्रता संग्राम और समाजवादी राजनीति में प्रवेश किया।

भारत में समाजवादी राजनीति का योगदान

स्वतंत्रता पूर्व काल

- **आदर्श:** उपनिवेशवाद-विरोध, समानता, और सामाजिक न्याय जैसे समाजवादी आदर्श स्वतंत्रता संग्राम के वैचारिक ढांचे में शामिल रहे।
- **भूमिका**: समाजवादी नेताओं और संगठनों ने श्रमिकों, किसानों और हाशिए पर पड़े समुदायों को संगठित कर राष्ट्रवादी आंदोलन को सशक्त बनाया।

स्वतंत्रता पश्चात काल

1. **संवैधानिक योगदान:**
   - संविधान में समानता और सामाजिक न्याय जैसे आदर्श समाजवादी सिद्धांतों से प्रेरित हैं।
2. **लोकतंत्र का सशक्तीकरण:**
   - समाजवादी नेताओं और पार्टियों ने क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के उदय में योगदान दिया, जिससे लोकतांत्रिक प्रणाली मजबूत हुई।
3. **आर्थिक नीतियाँ:**
   - राज्य की भूमिका पर बल देते हुए स्टील, ऊर्जा, और भारी उद्योग जैसे क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा दिया गया।
   - दूसरा पंचवर्षीय योजना (1956-61) के तहत महालनोबिस मॉडल और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSEs) का विकास हुआ।
4. **सामाजिक कल्याण:**
   - कमजोर और हाशिए पर पड़े वर्गों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली और आरक्षण नीतियों जैसी योजनाओं की स्थापना।
   - भूदान आंदोलन जैसे समाजवादी आंदोलनों ने भूमि सुधार जैसी नीतियों को प्रभावित किया।

कोकिंग कोल के आयात पर निर्भरता कम करना: नीति आयोग / Reducing dependence on import of coking coal: Niti Aayog

हाल ही में नीतिआयोग ने "घरेलू कोकिंग कोयला उपलब्धता बढ़ाने और आयात निर्भरता घटाने" पर एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें आयात पर निर्भरता कम करने और घरेलू उत्पादन को मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण उपाय सुझाए गए हैं।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु:

1. **कोकिंग कोयला संसाधन (2023):**
   - भारत में प्राइम कोकिंग कोयले के सिद्ध भौगोलिक संसाधन 5.13 बिलियन टन और मीडियम कोकिंग कोयले के 16.5 बिलियन टन आँके गए हैं।
2. **आयात पर निर्भरता:**
   - पिछले 5 वर्षों में भारत द्वारा आयात किए गए कुल कोयले में कोकिंग कोयले का हिस्सा 22-27% रहा।
   - वित्तीय वर्ष 2021-22 में पहली बार भारत में कोकिंग कोयला आयात का मूल्य ₹1 ट्रिलियन (1 लाख करोड़ रुपये) से अधिक हो गया।
   - वित्तीय वर्ष 2022-23 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 54% कोकिंग कोयला निर्यात किया।
3. **मूल्य में अस्थिरता:**
   - कोकिंग कोयले की कीमतें अत्यधिक अस्थिर हैं क्योंकि इस पर मुख्य रूप से कुछ गिने-चुने देश (जैसे ऑस्ट्रेलिया) का प्रभुत्व है।
4. **इस्पात उत्पादन में भूमिका:**
   - कोकिंग कोयला भारत में इस्पात उत्पादन की लागत का लगभग 42% हिस्सा है।
   - इस्पात मंत्रालय आयात बिल को कम करने और आयात स्रोतों में विविधता लाने के लिए प्रयास कर रहा है।
5. **महत्त्वपूर्ण खनिज का दर्जा:**
   - नीतिआयोग सरकार को कोकिंग कोयले को 'महत्त्वपूर्ण खनिज' घोषित करने की सलाह दे सकता है।
   - यह कदम घरेलू धातुकर्म कोयले के उत्पादन को बढ़ावा देने और भारत के इस्पात क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करेगा।

कोकिंग कोयला क्या है?

1. **परिचय:**
   - **कोकिंग कोयला** जिसे मेटलर्जिकल कोयला भी कहा जाता है, एक प्राकृतिक तलछटी चट्टान है।
   - यह बिटुमिनस कोयले का प्रकार है जिसमें थर्मल कोयले की तुलना में अधिक कार्बन, कम राख और नमी होती है।
   - इस्पात उत्पादन में इसकी अहम भूमिका है, क्योंकि यह इस्पात की लागत का 42% भाग बनाता है।
2. **इस्पात उत्पादन में उपयोग:**
   - कोकिंग कोयले को उच्च तापमान पर कार्बोनाइज करके कोक बनाया जाता है।
   - कोक का उपयोग ब्लास्ट फर्नेस में पिग आयरन बनाने के लिए किया जाता है, जहां यह आयरन ओर को घटाने वाले एजेंट और फर्नेस चार्ज को सहारा देने वाले संरचनात्मक सामग्री के रूप में कार्य करता है।
3. **विश्व के प्रमुख उत्पादक (2022):**
   - चीन: 676 मिलियन टन (62%)
   - ऑस्ट्रेलिया: 169 मिलियन टन (15%)
   - रूस: 96 मिलियन टन (9%)
   - अमेरिका: 55 मिलियन टन (5%)
   - कनाडा: 34 मिलियन टन (3%)
4. **भारत का परिप्रेक्ष्य:**
   - भारत में बड़े भंडार होने के बावजूद 85% कोकिंग कोयले का आयात किया जाता है।
   - अप्रैल-सितंबर 2023 में भारत ने 29.6 मिलियन टन कोकिंग कोयला आयात किया, जिसमें रूस से आयात में 200% की वृद्धि हुई

भारत के लिए कोकिंग कोयले का महत्व-

1. **परिचय**: कोकिंग कोयला, जिसे मेटलर्जिकल कोयला या "मेट कोल" भी कहते हैं, इस्पात निर्माण में उपयोग होता है।
2. **मुख्य भूमिका**: यह कोक बनाने में जरूरी है, जो इस्पात निर्माण की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण घटक है।
3. **विशेष गुण**: इस कोयले में उच्च कार्बन सामग्री, कम सल्फर और फॉस्फोरस होना चाहिए।
   - इसे इस्पात निर्माण के लिए उपयुक्त बनाने के लिए मजबूत कोकिंग गुण आवश्यक हैं।

46% वयस्कों को हाई ब्लड प्रेशर की जानकारी नहीं: WHO / 46% adults are unaware of high blood pressure: WHO

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, लगभग 46% वयस्कों को इस बात की जानकारी ही नहीं है कि वे उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) से पीड़ित हैं। यह अज्ञानता और भी घातक हो सकती है, क्योंकि अनियंत्रित रक्तचाप कई महत्वपूर्ण अंगों को गंभीर क्षति पहुंचा सकता है।

उच्च रक्तचाप और हृदय रोग: मुख्य बिंदु

1. **डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट:**
   - 46% वयस्कों को जानकारी नहीं है कि वे उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं।
   - अनियंत्रित ब्लड प्रेशर कई अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है।
2. **हृदय रोग और मृत्यु दर:**
   - हृदय रोग वैश्विक मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक हैं।
   - हार्ट अटैक और हार्ट फेलियर से हर साल लाखों मौतें होती हैं।
3. **हाई ब्लड प्रेशर का खतरा:**
   - हाई ब्लड प्रेशर हृदय रोग और स्ट्रोक का मुख्य कारक है।
   - लगातार बढ़ा ब्लड प्रेशर हार्ट अटैक और स्ट्रोक की संभावना बढ़ाता है।
4. **युवाओं पर प्रभाव:**
   - 20 साल से कम उम्र के लोग भी ब्लड प्रेशर की समस्या से पीड़ित हो रहे हैं।
5. **ब्लड प्रेशर नियंत्रण की आवश्यकता:**
   - सभी लोगों को ब्लड प्रेशर नियंत्रित रखने के लिए प्रयास करने की सलाह दी जाती है।

रक्तचाप: एक परिचय-

1. **रक्तचाप क्या है?**
   - रक्तचाप वह दबाव है, जो रक्त वाहिकाओं पर पड़ता है।
   - सामान्य रक्तचाप: 140/90 mmHg से कम।
   - उच्च रक्तचाप: 140/90 mmHg या उससे अधिक।
2. **रक्तचाप के मापन की संरचना:**
   - **सिस्टोलिक दबाव:** हृदय के स्पंदन के दौरान रक्त वाहिकाओं में दबाव।
   - **डायस्टोलिक दबाव**: हृदय के आराम के समय रक्त वाहिकाओं में दबाव।
3. **उच्च रक्तचाप का महत्व:**
   - अगर इसे नियंत्रित न किया जाए तो यह घातक बीमारियों का कारण बन सकता है।
   - इसे "मूक हत्यारा" कहा जाता है।
4. **जागरूकता का उद्देश्य:**
   - उच्च रक्तचाप को रोकने और नियंत्रित करने के लिये हर साल **17 मई को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस** मनाया जाता है।

भारत में उच्च रक्तचाप के कारण-

- ✓ मोटापा
- ✓ शराब का सेवन
- ✓ उच्च नमक का सेवन
- ✓ तंबाकू का उपयोग
- ✓ शारीरिक व्यायाम की कमी, आदि।
- ✓ रिपोर्ट ने भारत में तंबाकू के उपयोग (28 प्रतिशत) और शारीरिक निष्क्रियता (34 प्रतिशत) को दो सबसे शक्तिशाली ट्रिगर के रूप में चिह्नित किया है।

रोकथाम के उपाए:

- ✓ अच्छी नींद की आदतें
- ✓ फलों और सब्जियों का सेवन
- ✓ शराब के सेवन से बचना चाहिए
- ✓ शारीरिक गतिविधि
- ✓ वायु प्रदूषण के संपर्क में कमी
- ✓ योग, ध्यान और संगीत, आदि।

विभिन्न पहल:

भारत उच्च रक्तचाप नियंत्रण पहल (IHCI) कार्यक्रम:

- IHCI जैसे कार्यक्रमों और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर पर गैर-संचरणीय रोग जाँच और उपचार की दिशा में सरकार के प्रयासों के माध्यम से भारत का लक्ष्य वर्ष 2025 तक उच्च रक्तचाप या मधुमेह के 75 मिलियन रोगियों को मानक देखभाल पर प्रदान करना है।
- हर साल **17 मई को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस** मनाया जाता है।

उपग्रहों का अंतरिक्ष कचरा पर्यावरण के लिए खतरा / Space debris from satellites is a threat to the environment

वर्तमान में पृथ्वी की कक्षा में 10,000 से अधिक सक्रिय उपग्रह मौजूद हैं। अनुमान है कि यह संख्या 2030 के दशक तक 1 लाख से अधिक और आने वाले दशकों में लगभग 5 लाख तक पहुंच सकती है, जो अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के तीव्र विकास का संकेत है।

मुख्य बिंदु:

1. **सक्रिय उपग्रहों की संख्या:** वर्तमान में पृथ्वी की कक्षा में 10,000 से अधिक सक्रिय उपग्रह हैं।
2. **भविष्य का अनुमान**: 2030 के दशक तक यह संख्या 1 लाख और आने वाले दशकों में 5 लाख तक पहुंच सकती है।
3. **जीवन चक्र का अंत:** अधिकांश उपग्रह अपने जीवन चक्र के अंत में पृथ्वी के वातावरण में जलकर नष्ट हो जाते हैं।
4. **प्रदूषण की समस्या**: उपग्रहों के जलने से ऊपरी वातावरण में विभिन्न प्रकार के प्रदूषक छूटते हैं।
5. **वैज्ञानिकों की चिंता:** उपग्रहों की बढ़ती संख्या के साथ प्रदूषण भी बढ़ेगा, जिससे वैज्ञानिक चिंतित हैं।

उपग्रहों से प्रदूषण: एक गंभीर चुनौती

परिचय:

उपग्रहों और रॉकेटों की रीएंट्री (पृथ्वी के वायुमंडल में पुन: प्रवेश) के दौरान वायुमंडल में भारी मात्रा में प्रदूषक तत्व छोड़े जाते हैं। ये प्रदूषक न केवल वायुमंडल को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन और ओजोन परत पर भी नकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

मुख्य तथ्य:

1. **वायुमंडल में धातु कणों का बढ़ता स्तर:**
   - वायुमंडल के स्ट्रैटोस्फियर में पाए गए एरोसोल कणों में लगभग 10% एल्यूमीनियम और अन्य धातुएं होती हैं, जो जलते हुए उपग्रहों और रॉकेटों से उत्पन्न होती हैं।
   - ये धातुएं वायुमंडल में जमा होकर लंबे समय तक बनी रहती हैं।
2. **प्रदूषण में वृद्धि:**
   - उपग्रहों की रीएंट्री के दौरान एल्यूमीनियम और नाइट्रोजन ऑक्साइड के उत्सर्जन में 2020 में 3.3 बिलियन ग्राम से बढ़कर 2022 में 5.6 बिलियन ग्राम हो गया।
   - रॉकेट लॉन्च से भी प्रदूषकों का उत्सर्जन बढ़ रहा है, जिसमें ब्लैक कार्बन, नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, एल्यूमीनियम ऑक्साइड और क्लोरीन गैसें शामिल हैं।

प्रभाव:

- ओजोन परत पर प्रभाव: रॉकेटों और उपग्रहों के जलने से उत्पन्न क्लोरीन गैसें ओजोन परत को नुकसान पहुंचा सकती हैं।
- जलवायु परिवर्तन: ब्लैक कार्बन और अन्य प्रदूषक तत्व वायुमंडल में गर्मी को बढ़ाकर जलवायु परिवर्तन को तेज कर सकते हैं।
- पर्यावरणीय खतरा: इन प्रदूषकों का दीर्घकालिक प्रभाव पृथ्वी के पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र पर हो सकता है।

उपग्रह प्रदूषण का प्रभाव

1. **ओजोन परत पर खतरा:**
   - जलते हुए उपग्रहों से निकलने वाला **एल्यूमीनियम ऑक्साइड** और अन्य धातुयुक्त कण **ओजोन परत** को नुकसान पहुंचाते हैं।
   - ओजोन परत सूर्य से आने वाली **99% पराबैंगनी किरणों** को अवशोषित करती है। इस परत के कमजोर होने से **जीवों और पर्यावरण** पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं।
2. **जलवायु परिवर्तन:**
   - रॉकेट इंजनों और उपग्रहों के जलने से **ब्लैक कार्बन, नाइट्रोजन ऑक्साइड, और अन्य जहरीले गैसें** वायुमंडल में मिलती हैं।
   - यह गैसें वातावरण को गर्म करती हैं और जलवायु को असंतुलित बनाती हैं।
   - धातुओं के कण बादल बनने की प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं, जिससे मौसम चक्र में बदलाव हो सकता है।
3. **पर्यावरणीय संरचना में बदलाव:**
   - उपग्रहों और रॉकेटों के जलने से निकलने वाले प्रदूषक वायुमंडल की रासायनिक संरचना को बदल सकते हैं।
   - यह परिवर्तन न केवल पृथ्वी के पर्यावरण को प्रभावित कर सकते हैं, बल्कि दीर्घकालिक रूप से प्राकृतिक संतुलन को भी बिगाड़ सकते हैं।

बांग्लादेश: अडाणी पावर एग्रीमेंट समेत सभी समझौतों की जांच की सिफारिश / Bangladesh: Recommendation to investigate all agreements including Adani Power Agreement

बांग्लादेश में पावर प्रोडक्शन एग्रीमेंट की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, 2009 से 2024 तक के सभी समझौतों की जांच हेतु एक विशेष एजेंसी गठित करने की सिफारिश की गई है, जिसमें शेख हसीना सरकार और अडाणी ग्रुप के बीच हुए पावर एग्रीमेंट के तहत समझौतों की जांच शामिल हैं।

मुख्य बिंदु

1. **विशेष एजेंसी की सिफारिश:**
   - 2009 से 2024 तक हुए सभी पावर प्रोडक्शन एग्रीमेंट की जांच के लिए विशेष एजेंसी गठित करने की सिफारिश।
   - शेख हसीना सरकार और अडाणी ग्रुप के बीच हुए पावर एग्रीमेंट की भी जांच प्रस्तावित।
2. **समझौतों पर पुनर्विचार/रद्द की मांग:**
   - समीक्षा समिति ने सुझाव दिया कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत कुछ समझौतों को रद्द या पुनर्विचार किया जाए।
   - जांच के लिए अतिरिक्त समय की भी मांग।
3. **समीक्षा में शामिल प्रोजेक्ट्स:**
   - सात प्रमुख एनर्जी और पावर प्रोजेक्ट्स की समीक्षा जारी।
   - इसमें अडाणी गोड्डा BIFPCL 1234.4 मेगावाट कोल फायर्ड प्लांट और चीनी कंपनी के 1320 मेगावाट कोल फायर्ड इलेक्ट्रिसिटी प्लांट शामिल।
4. **सबूतों के आधार पर कार्रवाई:**
   - समिति ने कई सबूत जुटाए, जिनके आधार पर समझौतों की पारदर्शिता पर सवाल उठाया गया है।

भारत-बांग्लादेश व्यापार संबंध:

1. **दक्षिण एशिया में प्रमुख व्यापार साझेदार:**
   - बांग्लादेश, भारत का दक्षिण एशिया में सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है।
   - भारत, बांग्लादेश का एशिया में दूसरा सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है।
2. **द्विपक्षीय व्यापार का स्तर:**
   - 2023-24 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 14.01 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।
3. **परिवहन और संपर्क समझौते:**
   - आंतरिक जलमार्ग व्यापार और पारगमन प्रोटोकॉल (PIWTT) से व्यापार को बढ़ावा।
   - चिटगांव और मोंगला बंदरगाहों के उपयोग के लिए समझौते को लागू किया गया।
4. **सीमा प्रबंधन और सुरक्षा सहयोग:**
   - 4,096 किमी लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शांति और सहयोग सुनिश्चित किया गया।
   - सीमा पर बाड़ लगाने, सीमा स्तंभों के संयुक्त निरीक्षण और सुरक्षा पर दोनों देशों का सहयोग।
5. **संस्कृति और जनसंपर्क:**
   - इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र और भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, ढाका, दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने में मदद करते हैं।
6. **क्षेत्रीय जुड़ाव और सहयोग:**
   - SAARC, BIMSTEC, BBIN (बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल) जैसे मंचों पर साझेदारी।
   - इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और सागर अर्थव्यवस्था के विकास में साझा दृष्टिकोण।

भारत-बांग्लादेश संबंधों में चुनौतियाँ

1. **भौगोलिक चुनौतियाँ:**
   - **सीमा विवाद:** असम और त्रिपुरा क्षेत्रों में सीमा रेखा निर्धारण को लेकर विवाद।
   - **अवैध प्रवासन:** बांग्लादेश से बड़ी संख्या में प्रवासियों का भारत आना, जिससे सीमावर्ती राज्यों में सामाजिक-आर्थिक समस्याएँ बढ़ी हैं।
2. **आर्थिक चुनौतियाँ:**
   - **गैर-शुल्क बाधाएँ**: लंबी कस्टम प्रक्रियाएँ और प्रशासनिक अड़चनें व्यापार में रुकावट पैदा करती हैं।
   - **नदी जल बंटवारा**: 54 साझा नदियों के जल बंटवारे पर असहमति, खासकर तीस्ता नदी विवाद।
3. **संरचना और संपर्क चुनौतियाँ:**
   - **अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा**: कमजोर कनेक्टिविटी से आर्थिक संबंधों का विकास बाधित।
   - **सीमा विवाद**: 6.5 किमी का कोमिला-त्रिपुरा क्षेत्र अब भी अनिर्धारित।
4. **सुरक्षा चुनौतियाँ:**
   - **आतंकवाद और उग्रवाद:** भारत में आतंकवादी हमलों के लिए बांग्लादेश आधारित समूहों पर आरोप।
   - **चीन का प्रभाव**: बांग्लादेश में चीन का बढ़ता निवेश, खासकर इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा क्षेत्रों में।
5. **ऊर्जा और जल विवाद:**
   - **तीस्ता नदी विवाद:** 2011 के जल समझौते का अब तक लागू न होना।
   - **फरक्का बैराज विवाद**: गंगा नदी के पानी के बंटवारे को लेकर चिंता।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC

TEST SERIES

- 100+ Mock Test
- 78 Sectional Test
- 40+ years PYPs
- 60+ Current affairs

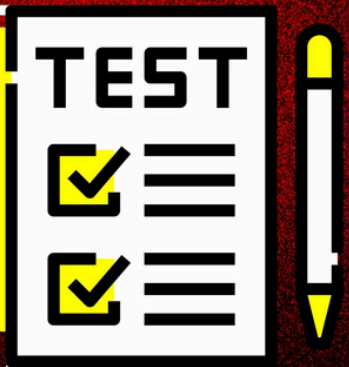

Only 99 Per Year

Buy Now

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY POLITY

1499 RS

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !